गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–30 | गोरखपुर, रविवार 14 जनवरी 2024 | पृष्ठ–8 | मूल्य–2 रूपया

22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे आडवाणी

नयी दिल्ली)एजेन्सी= भाजपा के वरिष्ठ नेता, देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री

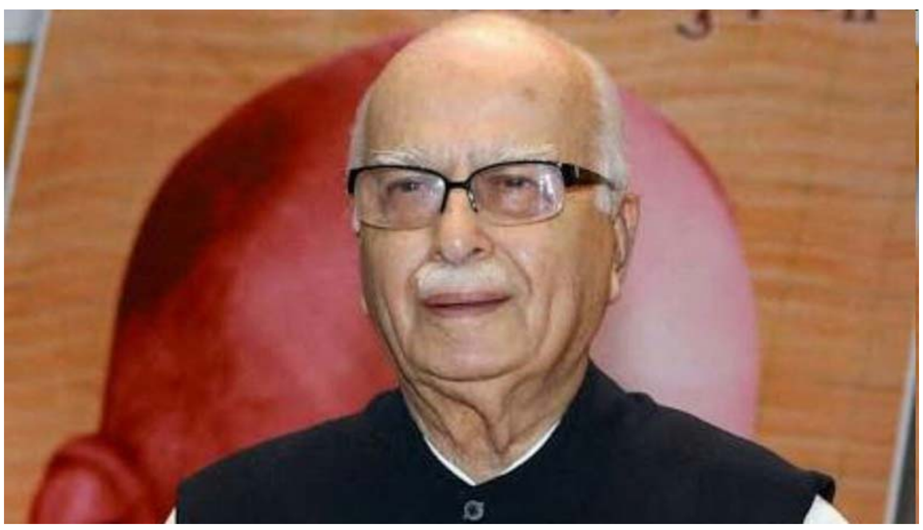

और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर में आंदोलन करने वाले लालद्रष्ण आडवाणी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले रामलला के धण धतिष्ठा समारोह में शामिल होंगें आडवाणी के कार्यत्त्म में शामिल होने की पुष्टि उन्हें कार्यत्त्म का निमंत्रण देने के लिए संघ नेताओं के साथ गए विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने की हैं बातचीत करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि जब वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह द्रष्ण गोपाल और रामलाल के साथ लालद्रष्ण आडवाणी को 22 जनवरी के धण धतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण देने गए थे तो उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चा हुई, लॉजिस्टिक्स की चर्चा हुई कि उन्हें अयोध्या आने के लिए क्या–क्या व्यवस्था की जरूरत होगी, वो कार्यत्त्म में कितनी देर बैठ सकेंगे,क्या उनके लिए कोई डॉक्टर उपलब्ध रह सकता है, क्या पूरे समय के लिए उनके साथ कोई व्यक्ति रह सकता हैं विहिप नेता ने बताया कि इस चर्चा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह द्रष्ण गोपाल ने लालद्रष्ण आडवाणी के कार्यत्त्म में शामिल होने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनका कार्यत्त्म में शामिल होना जरूरी है, महत्वपूर्ण है और सब चाहते हैं कि वो अयोध्या आएं

द्रष्ण गोपाल ने लालद्रष्ण आडवाणी के परिवार को आश्वासन दिया कि लालद्रष्ण आडवाणी के अयोध्या आगमन के लिए जिस–जिस व्यवस्था की आवश्यकता होगी और जो भी व्यवस्था वो चाहेंगे, वो सारी व्यवस्था की जाएगीं विहिप के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ने आडवाणी के धण धतिष्ठा कार्यत्त्म में शामिल होने पर ध्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें ध्रसन्नता है कि अपने स्वास्थ्य के ठीक न होने के बावजूद 96 वर्ष की आयु में उन्होंने कार्यत्त्म में आना) अयोध्या = स्वीकार किया हैं

सपा की सरकार बनी तो डिंपल यादव होंगी सीएम!

लखनऊ)संवाददाता= समाजवादी पार्टी के लखनऊ दफ्तर के सामने एक ऐसा पोस्टर लगा है जो का विषय बन गया हैं इस पोस्टर में डिंपल यादव को यूपी के भावी मुख्यमंत्री के तौर पर दिखाया गया हैं इस पोस्टर के पीछे की कहानी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं लखनऊ में समाजवादी पार्टी के दफ्तर के सामने अक्सर कई पोस्टर लगे होते हैं कई बार ये पोस्टर

खबरों की सुर्खियां बन जाते हैं लेकिन इस बार डिंपल यादव को लेकर जो पोस्टर लगा है वो सुर्खियों में आ गया हैं ये होर्डिंग सपा नेता अब्दुल अजीम की ओर से लगवाई गईं है, जिसमें कंबल वितरण समारोह की जानकारी के साथ डिंपल यादव को यूपी का भावी मुख्यमंत्री बताया गया हैं15 जनवरी को डिंपल यादव का जन्मदिन हैं उससे पहले पार्टी दफ्तर के सामने ये होर्डिंग्स लगाए गए हैं इस पोस्टर को लेकर अब कई तरह के मायने लगाए जा रहे हैं, जिसके जरिए ये कहने की कोशिश की गई है कि देश को अखिलेश यादव चलाएंगे और डिंपल यादव अब उनकी जगह यूपी की जिम्मेदारी को संभालेंगीं सपा कार्यकर्ताओं की ये सोच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान को काउंटर करती हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि वो ध्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते हैं वो खुद को यूपी में ही देखते हैं, शायद यही वजह है कि उन्होंने सांसदी छोड़कर विधायक रहने को मंजूर किया और विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका में रहते हैं

लेकिन ये भी अहम है कि अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैंराजनीतिक गलियारों में चर्चा हैं कि अखिलेश यादव इस बार दो लोकसभा सीट कन्नौज और आजमगढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं जबकि डिंपल यादव एक बार फिर मैनपुरी से हैं चुनाव लड़ सकती हैंसपा का ये पोस्टर संदेश को आगे बढ़ाने की ओर संकेत देता है कि अगर अखिलेश यादव देश की राजनीति में आगे बढ़ते हैं तो डिंपल यादव पर ध्रदेश को संभालने की जिम्मेदारी होगीं

चुनाव आयोग ने बंगाल में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर दैनिक रिपोर्ट मांगी

कोलकाता (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल में मुख्य निर्वाचन अधिकारी)सीईओ= के कार्यालय को अब राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर भारतीय निर्वाचन आयोग को दैनिक रिपोर्ट भेजनी होगीं सीईओ कार्यालय के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि आयोग के शीर्ष अधिकारी राज्य के हर कोने में कानून–व्यवस्था की सामान्य स्थिति में उल्लंघन के हर मामले की जानकारी चाहते हैं, जिसका संकलन इस वर्ष निर्धारित आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान सुरक्षा–व्यवस्था तैयार करने में काम आएगां दैनिक रिपोर्ट में, अन्य बातों के अलावा, कानून–व्यवस्था के उल्लंघन पर मीडिया रिपोर्ट भी संलग्न करनी होगीं इसके अलावा राज्य सीईओ कार्यालय को कुछ अन्य विषयों पर भी आयोग को नियमित रिपोर्ट भेजनी होगीं इनमें संशोधित मतदाता सूची, फर्जी और मृत मतदाताओं की पहचान, डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र, इस संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों का अवलोकन, राज्य में उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वीवीपीएटीएस की स्थिति आदि का विवरण शामिल हैं सीईओ कार्यालय के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि हालांकि किसी भी चुनाव से पहले लगातार रिपोर्ट मांगना एक आम बात है, लेकिन इस बार यह ध्रत्रिया चुनाव से काफी पहले शुरू हो गई हैं उनके अनुसार, एक बार मतदान की तारीखों की घोषणा हो जाने के बाद आयोग को भेजी जाने वाली दैनिक रिपोर्ट अधिक व्यापक हो जाएगी क्योंकि इसमें आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों और नकदी, शराब, अवैध हथियार और गोला–बारूद जैसी विभिन्न वस्तुओं की बरामदगी की रिपोर्ट शामिल होंगीं राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता के समर्थकों द्वारा ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हालिया हमले ने पश्चिम बंगाल पर केंद्रीय एजेंसियों का ध्यान केंद्रित कर दिया हैं पर्यवेक्षकों का मानना है कि राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर दैनिक रिपोर्ट मांगने का उस घटना से कुछ संबंध हो सकता हैं

विनाशकाले विपरीत बुद्धि है उनका निर्णय... कांग्रेस द्वारा प्राण प्रतिष्ठा का न्योता अस्वीकार करने पर केशव मौर्य ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ)संवाददाता= उत्तर ध्रदेश के अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की धण धतिष्ठा का समारोह होगां इस समारोह में ध्रधानमंत्री मोदी समेत देश–विदेश से भ० आने वाले हैं समारोह में शामिल होने के लिए न्योता दिया जा रहां कांग्रेस को भी राम मंदिर समारोह में आने का न्योता दिया गया था, जिसे कांग्रेस नेताओं ने ठुकरा दिया हैं इस पर अब उपमुख्यमंत्री केशव ध्रसाद मौर्य ने अपनी ध्रतित्त्या दी है और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला हैं उपमुख्यमंत्री केशव ध्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा, अगर उन्होंने निमंत्रण को ठुकराया है तो जनता उन्हें ठुकरा देगी...निमंत्रण भाजपा ने दिया है, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दिया है और उसे नकारने से उनका रामद्रोही आचरण ध्रकट होता है...उनका ऐसा निर्णय निश्चित तौर से विनाशकाले विपरीत बुद्धि हैं बता दें कि रामलला के धण धतिष्ठा समारोह के लिए विपक्षी दलों के नेताओं को भी नध्मिंत्रण भेजा गया हैं जिसे कांग्रेस)बदहतमे= सहध्ति कुछ दलों ने इसे अस्वीकार कर दिया हैं

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी रामलला की धण धतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगें कांग्रेस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए इस समारोह को भाजपा और आरएसएस का इवेंट करार दिया थां कांग्रेस ने कहा, ष्करोड़ों भारतीय भगवान राम की पूजा–अर्चना करते हैं धर्म मनुष्य का व्यक्तिगत विषय होता है, लेकिन बीजेपी और आरएसएस ने सालों से राम मंदिर को एक राजनीति मुद्दा बना दिया हैं यह स्पष्ट है कि अर्द्ध निर्मित मंदिर का उद्घाटन केवल चुनावी लाभ उठाने के लिए किया जा रहा हैं

सम्पादकीय.........

दोराहे पर भारत

कौआ कान लेकर उड़ गया, भारत में यह एक पुरानी कहावत है, जो लोगों में तार्किक बुद्धि के इस्तेमाल की नसीहत देती हैं यानी कोई कहे कि कौआ कान लेकर उड़ गया तो बिना सोचे–समझे कौए के पीछे भागने की जगह पहले अपने कान को टटोलना चाहिए, इससे आपका व० और उर्जा दोनों की बचत होगी, साथ ही दुनिया के सामने आसानी से मूर्ख बन जाने की शर्मिंदगी भी नहीं उठानी पड़ेगीं इस व० भारत के सामने भी यही स्थिति आ गई हैं अब ये जनता को तय करना है कि वो अपने कान टटोलकर मूर्ख बनाने की कोशिश करने वालों को नाकाम करती है या फिर कौए के पीछे भागने का विकल्प चुनती हैं राम मंदिर में धण धतिष्ठा के दिन नजदीक आते जा रहे हैं भाजपा सना में बैठी हैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस राजनैतिक अंग की स्थापना का उ्द्येश्य ही भारत में हिंदुत्व का राज कायम करना है और इसके लिए अयोध्या में राम जन्मभूमि को जरिया बनाया गयां राम मंदिर के नाम पर रथयात्रा निकाल कर, समाज में हिंदू–मुसलमानों के बीच खाई बनाकर भाजपा ने अपने लिए सना की सीढ़ी तैयार कीं अब तक उसके हर घोषणापत्र में राम मंदिर के निर्माण का मुद्या शामिल होता थां 22 जनवरी के बाद अब जब भी चुनाव की घोषणा होगी, ये मुद्या घोषणापत्र से हट जाएगां उसकी जगह शायद ज्ञानवापी और शाही ईदगाह को हटाकर वहां मंदिरों के निर्माण का ऐलान कर दिया जाएगां इसके बाद चुनाव ध्चार में ध्धानमंत्री मोदी जनता से शायद यह कहेंगे कि अपने 140 करोड़ भाई–बहनों के सहयोग से, आपकी सामर्थ्य से मैंने यह महती दायित्व पूरा किया है मैंने रामलला को उनका घर वापस दिलाया हैं जिस उ्द्येश्य के लिए मेरा जन्म हुआ, उसे मैंने पूरा किया हैं भाजपा के बाकी नेता भी इसी तरह का श्रेय श्री मोदी को देंगे और कोई आश्चर्य नहीं अगर कोई तारीफ करते–करते श्री मोदी को साक्षात देवता या अवतार ही कह दें वैसे भी कुछ भाजपा नेता सार्वजनिक तौर पर यह कह चुके हैं कि भारत के लोगों का सौभाग्य है कि उन्हें मोदीजी जैसा ध्धानमंत्री मिलां भाजपा के नेताओं को पूरा हक है कि वे जिसकी चाहे पूजा करें, जिसे चाहे अपने सौभाग्य या दुर्भाग्य का निमिन मानें उन्हें यह भी हक है कि वे अपनी सना बचाने के लिए चाहे धार्मिक मुद्ये का राजनीतिकरण करें या राजनीति में धर्मांधता को मिलाकर वोट हासिल करने की जुगत लगाएं लेकिन देश की जनता को भी अपने हक पता होने चाहिएं जिन लोगों को उसने संसद और विधानसभाओं में अपनी बेहतरी के लिए, अपने भविष्य और वर्तमान को संवारने के लिए भेजा है, वो अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर रहे हैं या अगली बार सना में आने के लिए लोगों की भावनाओं को भुना रहे हैं, ये सवाल करने की जागरूकता जनता में होनी चाहिएं अभी राम मंदिर में धण धतिष्ठा की तैयारियों की हलचल पूरे देश में हैं भाजपा और संघ के लोग मिलकर घर–घर अक्षत बांटने में जुट गए हैं इसके लिए बाकायदा समितियां बनाई गई हैं हर रिहायशी इलाके में कुछ लोगों को जिम्मेदारी देकर, आम लोगों को साथ जोड़ने की मुहिम चलाई जा चुकी हैं भाजपा और संघ के पास निष्ठावान और अनुशासित कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज है, जिनके जरिए मंदिर के काम हो रहे हैं लेकिन यहां भारत की तर्कशील जनता को सवाल उठाने चाहिए कि अगर भाजपा घर–घर अक्षत भेज सकती है, तो कोरोना के व० घर–घर मास्क, जरूरी दवाइयां, राशन और आक्सीजन की व्यवस्था क्यों नहीं करवा सकी? कोरोना के व० भी जब भाजपा और कई हिंदुत्ववादी मानसिकता के लोगों ने गौमूत्र पीने की नसीहत दी या श्री मोदी ने ताली–थाली बजाने का आ÷वान किया, एक साथ दीए, टार्च, मोमबनी जलाने कहा, तब भी उनसे कड़ाई से सवाल किए जाने थे कि ध्यान भटकाने के ये पैंतरे क्यों आजमाए जा रहे हैं, क्यों नहीं लोगों को सुरक्षित रखने पर ध्यान दिया दिया जा रहा है? अगर तब कौआ कान ले गया की अफवाह पर ध्यान न देकर अपने कान टटोले होते तो देश एक बड़ी त्रासदी से बच जातां लेकिन जनता ने तब भी उड़ते कौए के पीछे भागने का विकल्प चुना, अब भी वही गलती की जा रही हैं

अयोध्या में करोड़ों की लागत से बन रहे राम मंदिर को देश की सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर भाजपा पेश कर रही हैं लोगों की आस्था का बेजा फायदा उठाया जा रहा हैं जो राम मंदिर सुधीम कोर्ट के आदेश से बन रहा है, उसे भाजपा ने अपना बताकर पेश कर दिया और लोगों ने भोलेपन से उसे सच भी मान लियां सुधीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत थां यानी एक गलत काम को करके उस पर मंदिर खड़ा किया गया है, ऐसे में यह सवाल सहज उठना चाहिए कि क्या कोई भी भगवान किसी गलत काम पर अपने भ०ों को आशीर्वाद देंगें राम मंदिर अभी पूरा बना ही नहीं है, लेकिन फिर भी वहां मूर्ति की धण धतिष्ठा हो रही हैं तो धार्मिक लोग अपने वेद–पुराणों के तर्कों के आधार पर विचार करें कि क्या यह कार्य धार्मिक रिवाजों के हिसाब से सही हैं देश के चारों शंकराचार्यों ने इसलिए मंदिर उद्घाटन में शामिल न होने का फैसला लिया है, क्योंकि इसमें धार्मिक नियमों का पालन न होकर राजनीति हो रही हैं भाजपा से यह सवाल भी होना चाहिए कि आखिर वह मंदिर के पूरा बनने तक का इंतजार क्यों नहीं कर रही हैं किस हड़बड़ी में वह मंदिर का उद्घाटन करा रही है और यह काम किसी योग्य धार्मिक गुरु के हाथों न होकर श्री मोदी के हाथों क्यों हो रहा हैं श्री मोदी को वाराणसी से दो बार सांसद ही चुना गया है, धर्म गुरु नहीं तर्क के आधार पर सवाल तो यह भी होना चाहिए कि जिस राम मंदिर के लिए भाजपा ने बरसों तक आंदोलन चलाया और आखिरकार उसमें सफलता मिल भी गई, तो उससे देश की जनता को क्या हासिल होगां

कर्नाटक के मंत्री दिल्ली रवाना, राहुल निकालेंगे अंदरूनी कलह का समाधान

बेंगलुरु (एजेन्सी)। कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटों के ध्भारी मंत्री गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं के साथ बैठक में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली)एजेन्सी= के लिए रवाना हो गएं बैठक मुख्य रूप से

रणनीतियों पर चर्चा करने और संसदीय चुनावों के लिए तैयारी करने के लिए आयोजित की गई हैं सूत्रों ने पुष्टि की कि राहुल गांधी कर्नाटक में कांग्रेस इकाई के भीतर अंदरूनी कलह का समाधान निकालेंगें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कर्नाटक ध्भारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के स्पष्टीकरण के बावजूद कि कोई और उपमुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा, सहकारिता मंत्री और सीएम सिद्धारमैया के वफादार के.एन. राजन्ना ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने से पहले बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कहा कि अधिक उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन से पार्टी को मदद मिलेगीं मंत्री राजन्ना ने कहा,"अगर लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में अतिरि० उपमुख्यमंत्री पद सृजित किए जाते हैं, तो इससे पार्टी को फायदा होगां हमने इस संबंध में आलाकमान को सुझाव दिये हैं हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगें उन्होंने कहा,"आलाकमान ने कर्नाटक की 28 एमपी सीटों के ध्भारी मंत्रियों की बैठक बुलाई हैं हम सभी इसमें शामिल होंगें गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में अतिरि० उपमुख्यमंत्री पद सृजित करने का ध्स्ताव आलाकमान के समक्ष हैं मंत्री राजन्ना ने कहा, हमें नहीं पता कि आलाकमान इस मुद्ये पर क्या निर्णय लेगां उन्होंने कहा, आज राहुल गांधी के साथ बैठक होगी और मुझे नहीं पता कि बैठक में क्या चर्चा होगीं सूत्रों ने कहा कि सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं. राज्य सिद्धारमैया केवल विधायकों को ही बोर्ड और निगमों के पदों पर बैठाने पर जोर दे रहे हैं शिवकुमार ने सीएम सिद्धारमैया की मौजूदगी में घोषणा की थी कि पदों के लिए वफादार कार्यकर्ताओं पर भी विचार किया जाएगां सूत्रों ने बताया कि यह मुद्या आलाकमान के सामने भी उठेगां

बहुत पहले लिखी गई थी इस नाटक की पटकथा, शिंदे गुट के पक्ष में फैसला आने पर भड़के कपिल सिब्बल

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व

वाले गुट को "असली शिवसेना घोषित किए जाने के एक दिन बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने बृहस्पतिवार को कहा कि "नाटक की पटकथा बहुत पहले लिखी गई थी और यह सिर्फ एक "तमाशा था जिसे हम होते हुए देख रहे थें महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बुधवार को माना कि 21 जून, 2022 को शिवसेना में विभाजन के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला धड़ा ही 'असली राजनीतिक दल)असली शिवसेना= है और उन्होंने दोनों गुटों के किसी भी विधायक को अयोग्य नहीं ठहरायां नार्वेकर का यह फैसला शिंदे के पक्ष में आया जो मुख्यमंत्री के लिए बड़ी राजनीतिक जीत हैं शिवसेना में विभाजन के 18 महीने बाद इस फैसले से शीर्ष पद के लिए शिंदे की जगह पक्की हो गई हैं वहीं, लोकसभा चुनाव से पहले सनारूढ़ गठबंधन में उनकी राजनीतिक ताकत भी बढ़ गई हैं सनारूढ़ गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी)भाजपा= और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी)राकांपा= का अजित पवार गुट भी शामिल हैं कपिल सिब्बल ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार शिंदे गुट ही असली शिवसेना हैं इस नाटक की पटकथा बहुत पहले लिखी गई थीं हमलोग इस तमाशे को होते हुए देख रहे हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "यही इस 'लोकतंत्र की जननी की त्रासदी हैं राहुल नार्वेकर ने करीब 105 मिनट तक आदेश के अहम बिंदू पढ़ते हुए शिंदे समेत 16 शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने की उद्धव ठाकरे गुट की याचिका भी खारिज कर दीं

चुनाव आयोग की वेबसाइट का नया संस्करण लॉन्च

नयी दिल्ली)एजेन्सी= चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट का गुरुवार को नया संस्करण लॉन्च कियां आयोग की यह वेबसाइट नियमित रूप से ध्काशित ध्रेस विज्ञप्तियों, संचार, निर्देशों और रिपोर्टों के माध्यम से आयोग की विभिन्न पहलों और गतिविधियों का धतिबिंब होगीं आयोग पारदर्शिता का भी सूचक है और समय–समय पर संबंधित हितधारकों के साथ सभी धसंगिक जानकारी साझा करता है, चाहे वह मतदाता हों या राजनीतिक दल या चुनाव ध्बंधन अधिकारी हों आयोग की वेबसाइट सूचनाओं का भंडार है, जो भारत में चुनावों की योजना और संचालन से संबंधित विभिन्न ध्कार की जानकारी रखती हैं इसमें 1951 से अब तक हुये चुनावों)संसदीय और राज्य विधानसभाओं= का विवरण हैं वेबसाइट पर इन चुनावों के परिणामों के बारे में भी जानकारी साझा की गयी हैं बेहतर अनुभव और सूचना तक आसान पहुंच के लिये आयोग की वेबसाइट को पुनः डिजाइन किया गया हैं इसे हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करके डिजाइन किया गया हैं वेबसाइट के नये संस्करण में निर्वाचकों ध् मतदाताओं, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिये एक विशेष अनुभाग है, जहां एक ही स्थान पर, वे सभी सूचनाओं, सेवाओं तक पहुंच ध्प्त कर सकते हैं, क्योंकि आईटी प्लेटफॉर्म और ऐप उनकी सुविधा के लिये डिजाइन किये गये हैं मतदाताओं को एक ही स्थान पर आयोग की सेवाओं तक सीधी पहुंच मिलती है, जैसे कि नामांकन, ईपीआईसी कार्ड, ईईपीआईसी डाउनलोड करना, मतदाता सूची में अपना विवरण अपडेट करना और साथ ही अपने मतदान केंद्रों के साथ–साथ संभावित उम्मीदवारों को जानना, आदि दूसरी ओर, इस वेबसाइट से राजनीतिक दल पंजीकरण, चुनाव चिह्न, संविधान, पार्टी ध्शासन से लेकर अपनी व्यय रिपोर्ट, योगदान रिपोर्ट से लेकर खातों के वार्षिक ऑडिट तक सभी जानकारी धप्त कर सकते हैं वेबसाइट को ओपन सोर्स, अत्याधुनिक धैद्योगिकी स्टैक के साथ उच्च भार के पैमाने पर डिजाइन किया गया हैं

बेटे के धोखे से परेशान ८३ वर्षीय बुजुर्ग सुखराम सिंह पहुंचे सीएम योगी के जनता दरबार, बोले- बाबा से ही उम्मीद

गोरखपुर। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में 83 वर्षीय बुजुर्ग ने न्याय की गुहार लगाई है। जब बुजुर्ग ने अपने बेटे को सजा दिलाने की मांग की तो सभी हैरान हो गए। बुजुर्ग का आरोप है कि

उसके बड़े बेटे ने धोखा देकर पूरी प्र पर्टी अपनी पत्नी के नाम करा ली है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखपुर में होते हैं तो गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगता है और फरियादी यहां अपनी फरियाद लेकर पहुंचते हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री से मिलने की आस में एक 83 वर्षीय फरियादी खड़े दिखाई दिए। ये देखने और इस उम्र में साफ नहीं सुन पा रहे थे। लड़खड़ाते हुए अपनी छड़ी के सहारे मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में पहुंचे और न्याय की गुहार लगाते हुए जो कहा उसे सुनकर वहां उपस्थित सभी दंग रह गए। उन्होंने बताया कि उनके अपने बेटे ने ही उन्हें बेसहारा कर दिया है और अब वह इस उम्र में कोर्ट–कचहरी, जनता दरबार में दर–दर की ठोकरें खा रहे हैं।

83 वर्ष की उम्र में पिता दर–दर की ठोकर खाने को मजबूर

चिलुआताल थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर निवासी 83 वर्षीय सुखराम सिंह ने अपने बड़े बेटे राजेंद्र सिंह पर जालसाजी से अपनी जायदाद को हड़प लेने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के जनता दरबार में अर्जी लगाई। भीषण ठंड और शीतलहर में सुबह 5 बजे से गोरखनाथ मंदिर पहुंचे सुखराम सिंह मुख्यमंत्री से मिलने की आस में लाइन में खड़े रहे। इनका कहना है कि 2007 में इनके बड़े बेटे राजेंद्र सिंह ने जालसाजी कर उनकी सारी जायदाद पहले अपने नौकर के नाम करा ली और फिर 2015 में नौकर से अपनी पत्नी ममता के नाम ट्रांसफर करा दी। सुखराम सिंह का कहना है कि जहां तक मेरी जानकारी है, उन्होंने किसी भी ऐसे कागज पर दस्तखत नहीं किया था। तो अब सवाल यह उठता है कि बिना दस्तखत के आखिर यह पूरी जायदाद दूसरों के कैसे ट्रांसफर होती रही

सुखराम सिंह का कहना है कि उन्हें जब इसकी जानकारी हुई तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जब जालसाजी का विरोध किया तो इस बात पर बड़े बेटे ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया। इस समय बुजुर्ग अपने छोटे बेटे विजय सिंह के साथ रहते हैं। वह अपनी जायदाद को वापस पाने के लिए वह कोर्ट, कचहरी, थाना, पुलिस के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। इस उम्र में भी उन्होंने अंतिम आस नहीं छोड़ी है।

सोमवार को उम्मीद की आखिरी किरण के सहारे वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में पहुंचे। हालांकि उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं हो सकी क्योंकि मुख्यमंत्री रविवार शाम को ही लखनऊ के लिए जा चुके थे। उनके अनुसार उन्हें किसी से जानकारी मिली थी कि सोमवार की सुबह भी मुख्यमंत्री जनता दर्शन लगाएंगे, इसी वजह से वह यहां पहुंचे थे। हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात कर्मचारियों ने उनके प्रार्थना पत्र को लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इस घटना के बाद सभी की सहानुभूति 83 वर्षीय बुजुर्ग सुखराम सिंह के साथ थी। उन्हें उम्मीद है कि उन्हें मुख्यमंत्री के जनता दरबार से इंसाफ जरूर मिलेगा और उनकी हड़पी हुई जायदाद उन्हें वापस मिल जाएगी।

क्या कहना है छोटे बेटे का?

सुखराम सिंह के छोटे बेटे विजय प्रताप सिंह का कहना है कि पिताजी बड़े भैया के साथ ही रहते थे। भैया का मिजाज शुरू से ही अलग किस्म का था। फिर भी हम लोगों को इसका जरा भी अंदेशा नहीं था कि वह इस तरह का धोखा हम सभी के साथ करेंगे। न जाने किस तरह धोखेबाजी कर उन्होंने पूरी प्र पर्टी अपनी पत्नी के नाम करा ली है। पिताजी जीवित हैं और इस उम्र में अपनी लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि बेटा आप मुझे बाबा जी के दरबार में ले चलो इसलिए मैं उन्हें यहां लेकर आया हूं।

शुभम् मल्ल के गेंदबाजी से जीता हॉक स्पोर्ट्स

गोरखपुर। मंडल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर – 16 क्रिकेट टूर्नामेंट का मैच ह क स्पोर्ट्स

और डी. ए. स्पोर्ट्स के बीच सेंट एंड्रयूज डिग्री क लेज के ग्राउंड पर खेला गया है जिसमें ह क स्पोर्ट्स ने ट स जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हॉक स्पोर्ट्स पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 182 रनों का लक्ष्य रखा । जिसमें कप्तान अमान शाह ने नाबाद 60 रन,नीरज यादव ने 48 रन, और आर्यन निषाद ने 19 रनों का योगदान दिया। डी.ए. स्पोर्ट्स की तरफ से गेंदबाजी करते हुए सचिन कुमार ने 5 विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डी.ए. स्पोर्ट्स की टीम ने 33 ओवरों में 117 पर अ ल आउट हो गई। जिसमें सचिन कुमार ने नाबाद 40 रन, सौरभ यादव ने 19 रनों का योगदान दिया। ह क स्पोर्ट्स की तरफ से गेंदबाजी करते हुए शुभम् मल्ल और मनीष शुक्ला ने 3–3 विकेट लिया और करन कुमार और अनमोल सिंह ने एक –एक विकेट हासिल किया। ह क स्पोर्ट्स ने डी.ए. स्पोर्ट्स को 65 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच के मैन ऑफ द मैच का ट्र फी शुभम् मल्ल को दिया गया।

एक बार फिर उमड़ा सीएम योगी का बाल प्रेम, मुस्लिम महिला के बच्चे को गोद में लेकर दुलारा, कराया अन्नप्राशन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने बाल प्रेम के लिए चर्चा में जाने जाते रहे हैं। कई बार वह छोटे बच्चों को पुचकारते, दुलारते देखे जाते हैं। ऐसे में रविवार को गोरखपुर में आयोजित इस दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में शिरकत की। रविवार को दोपहर बाद राप्ती नगर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद हेतु आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों

एक कार्यक्रम के दौरान छोटे बच्चों का सीएम के हाथों अन्नप्राशन कराने पहुंची महिलाएं तो एक बार उनका बाल प्रेम फिर जाग उठा।

पिछले दिनों योगी आदित्यनाथ (ल्वहप ।कपजलंदंजी) अपने दो दिवसीय कार्यक्रम में गोरखपुर में थे। रविवार को राप्ती नगर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वहां पहुंचे छोटे बच्चों को अपने हाथों से अन्नप्राशन करा रहे थे। इसी बीच वहां मौजूद एक मुस्लिम महिला के गोद में मौजूद मासूम को अपने हाथों में उठा लिया और बड़े प्यार से उसे दुलारते हुए अन्नप्राशन कराया। यह देख बच्चे की मां भाव विभोर हो उठी और उसकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। ऐसे में वहां मौजूद हर कोई मुख्यमंत्री के इस बाल प्रेम को देखकर अभीभूत था। सबके चेहरे पर एक अलग प्रकार की मुस्कान नजर आ रही थी।

दो दिनों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में मौजूद थे। बच्चों को अन्नप्राशन कराने कई महिलाएं भी बच्चों के साथ पहुंची थीं। इस बीच मुख्यजंत्री ने जब वहां मौजूद एक मुस्लिम बच्चे को गोद में लेकर दुलारा और उसे अन्नप्राशन करा उपहार दिया तो उपस्थित लोग यह देखकर मुख्यमंत्री की प्रशंसा किए बगैर नहीं रह सके।

यह देख बच्चे की मां भी भाव विभोर हो उठी और उसकी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई और बच्चों को अन्नप्राशन कराया और उन्हें आशीष दिया। कुछ बच्चों को अपने हाथों से च कलेट भी दी और उनका कुशल क्षेम जाना। उक्त मुस्लिम महिला से जब पूछा गया कि मुख्यमंत्री द्वारा आपके बेटे को अन्नप्राशन कराया गया है तो उन्होंने बेहद खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह मेरे और मेरे बेटे के लिए बेहद सम्मान की बात है मेरे बच्चे को उनका आशीर्वाद मिला इसे मैं ताउम्र नहीं भूल पाऊंगी।

वाह! ड्रोन की मदद से गोरखपुर एम्स अब २५० किमी दूर तक करेगा लोगों का इलाज, स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली मंजूरी

गोरखपुर एम्स प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत नई योजना पर काम शुरू करने जा रहा है। इसके लिए एम्स अब दूर दराज के इलाकों और बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से लोगों तक दवाएं और मेडिकल सुविध ा पहुंचाएगा। नए कार्यकारी निदेशक ने कार्य योजना तैयार कर ली है। इसके लिए दो ड्रोन खरीदने की तैयारी है,, गोरखपुर एम्स अब ड्रोन से दवा भी पहुंचाएगा। जी हां एम्स गोरखपुर अब दिल्ली मेडिसिन सेवाओं को गति प्रदान करने की कड़ी में एक कदम और आगे बढ़ने जा रहा है। आपातकालीन स्थिति और दूर दराज के क्षेत्र सहित पहाड़ी इलाकों में मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ड्रोन की सहायता ली जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद एम्स अब दो ड्रोन खरीदने की तैयारी में है। जल्द ही सेवाएं शुरू कर दी जाएगी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(।प्प्डै) गोरखपुर अब ड्रोन से जीवन रक्षक दवा पहुंचाने की शुरुआत करने जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की सहमति भी मिल चुकी है। ड्रोन के माध्यम से 200 से 250 किलोमीटर के दायरे में दवाई पहुंचाई जाएंगी। साथ ही टेलीमेडिसिन के माध्यम से लोगों का उपचार भी किया जाएगा और दवा से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। फिलहाल दो सीएचसी केंद्रों को इस व्यवस्था से जोड़ा गया है। जहां एम्स गोरखपुर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में इसे एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। ड्रोन प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसी के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों , पहाड़ी क्षेत्र, दूर के ग्रामीण क्षेत्रों और आपातकालीन स्थिति में लोगों को दवाएं और जानकारी पहुंचाने की शुरुआत की गई है। एम्स गोरखपुर पहले चरण में दो ड्रोन खरीदेगा इसकी जानकारी कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर गोपाल ष्ण पाल ने दी। हालांकि पूर्व में एम्स के नजदीक एयरफोर्स होने की वजह से एम्स द्वारा इस परियोजना से जुड़ने से मना कर दिया गया था। लेकिन नए कार्यकारी निदेशक के आने के बाद इस पर नए सिरे से विचार किया गया।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लक्ष्य

नए कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर गोपाल ष्ण पाल द्वाराऔर बाबा राघव दास मेडिकल क लेज से इस व्यवस्था को शुरू करने की बात की। मंत्रालय के अधिकारियों से अपनी कार्य योजना बताई तो सभी सहमत हो गए और इसकी मंजूरी मिल गई। इस बारे में जब एम्स के डायरेक्टर एवं प्रमुख कार्यपालक अधिकारी गोपाल ष्ण पाल ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ड मनसुख मांडवीया का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने में सभी जुटे हुए हैं।

250 किलोमीटर में होगी सुविधा

पूर्वांचल का बड़ा हिस्सा बाढ़ से प्रभावित रहता है, बहुत से ऐसे गांव है जहां आसानी से दवे या मेडिकल सुविधा नहीं पहुंच पाती हैं। ऐसी स्थिति में ड्रोन प्रोजेक्ट काफी मददगार साबित होगा। इससे दवाएं, एंटी स्नेक वेमन टीका, खून के नमूने भेजने में आसानी होगी। इसके साथ ही टेली मेडिसिन के माध्यम से दवाओं के खाने और उपचार की विधि की भी जानकारी दी जा सकेगी। पाली से दो सीएससी केंद्र सहित बीआरडी मेडिकल क लेज से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए दो ड्रोन खरीदे जा रहे हैं। जैसे ही इस योजना को और गति मिलेगी इस प्रोजेक्ट को धीरे–धीरे आगे बढ़ाया जाएगा। भविष्य में 200 से 250 किलोमीटर के रेंज में ड्रोन के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने की तैयारी होगी।

Jaishankar bound for Iran; Gaza, Houthi attacks on agenda

India is not only concerned about escalating situation in Gaza but equally on Houthi attacking ships off Indian coast.In the wake of Israel's war on Hamas in Gaza and persistent attacks by Shia Houthi militia on commercial shipping in Red and Arabian Seas, External Affairs Minister S Jaishankar is bound for Iran in a couple of days to engage the leadership in mitigating global concerns in the Middle-East region. Minister Jaishankar's visit to meet Iranian leadership comes after US-UK forces attacked Houthi military positions on Thursday night in South Yemen including drone, missile, and radar sites which were used to target commercial shipping in the Red Sea and off the Gulf of Aden. The EAM also spoke to US Secretary of State Anthony Blinken last night over the escalating situation in the Middle East and the missile threat it poses to the global economy. Jaishankar was in Russia for five days over the year-end and was part of Prime Minister NarendraModi's delegation during the meeting with UAE President Sheikh Mohammed bin Zayaed al Nahyan on the sidelines of the Vibrant Gujarat summit on January 10. India has kept in touch with Middle-East powers over the unfolding crisis including key players like Saudi Arabia.It is understood that during his visit EAM Jaishankar will meet his counterpart Hossein Amir-Abdollahain and will also try to call on Iranian President EbrahimRaisi. The talks are expected to be candid as India is concerned both over the deteriorating humanitarian situation in Gaza as well as Houthi attacks on commercial ships like MV Chem Pluto off the Indian coast using loitering ammunition and long-range drones like Shahed 136.While the two sides are expecting frank views on how to contain the fall-out of the Israel war on Hamas in Gaza, India has made it very clear that the Palestinian cause does not in any way justify the October 7 massacre in South Israel by Hamas terrorists. The conversation with Iranian leadership and their views will be constructive as Tehran is the force behind the Houthis, Hamas, Hezbollah and Kaitab Hezbollah in the region.Although the focus of Jaishankar's brief trip will be on the escalating crisis in the Middle East, he will also discuss the North-South Trade Corridor that goes via Chabahar port in Iran and the security situation in the Caucuses with the ongoing Azerbaijan-Armenian conflict.India supports the two-state solution ending the Israel-Palestine conflict but is opposed to the use of terrorism for political objectives. It is against uncalled-for Houthi attacks on commercial shipping and has made it evident but sending no less than five warships into the region. While India has taken on Somalian pirates off the Gulf of Aden, it is also a key stakeholder in building infrastructure in the Middle East including the path-breaking Middle-East Economic Corridor.

Now, drone cameras keeping eye on illicit liquor in UP

After the dept's special drive ended on Jan 4, 1.20 lakh litres of illicit liquor was seized and 1,398 arrests made. In all, 4,588 cases were registered against the accused, says excise commissioner LUCKNOW The excise department has deployed drone cameras to keep tabs on manufacture, supply and movement of illicit liquor. Such vigil is being carried out in suspect areas, mostly in and around riverine areas or near brick kilns in open fields in Gorakhpur, Kushinagar and Gonda, officials said on Monday.After the excise department's special drive to crack down on illicit liquor trade ended on January 4, 1.20 lakh litres of illicit liquor was seized and 1,398 arrests made. In all, 4,588 cases were registered against the accused, said excise commissioner SenthilPandian C. During the drive, special teams comprising revenue, police and excise officials were set up to put an effective curb on illicit liquor trade. Cooperation from GST, transport departments and the Railways was also sought for better coordination, he added. "We kept special vigil on trains that were coming into the state from Punjab and Haryana," the excise commissioner said. Due to price differences, there were many instances of liquor smuggling into UP from states like Haryana, excise officials said. About 19,408 litres of smuggled liquor was also seized from Prayagraj, Sonbhadra, Bhadohi, Maharajganj, Siddharthnagar, Lucknow, Baghpat, Ghaziabad, Mathura and Aligarh. As part of the campaign, excise and allied department teams also kept a vigil on suspect roadside eateries, scrap dealers, closed factories and brick kilns.In Bhadohi, joint teams of the excise department and the police detected 805 cartons of foreign liquor that was being transported illegally in a container.

Excise officials said four people arrested from the spot later revealed that the liquor was being transported from Punjab to Jharkhand.In Sonbhadra, 690 cartons of foreign liquor bearing 'for sale in Punjab' labels were seized and four accused were arrested. In Lucknow, 484 cartons of liquor made in Punjab were seized and two accused arrested. Similar seizures and arrests were made in Mathura, Aligarh and other places too.

AtalSetu launch: India's longest bridge to shorten travel time to 20 minutes. Top pointsa

AtalSetu inauguration: This bridge was conceptualised six decades ago to connect Mumbai's Sewri to Raigad'sChirle.

Prime Minister NarendraModi is set to launch the country's longest bridge, built over the Thane Creek in the Arabian Sea, connecting Mumbai to Navi Mumbai and dramatically reducing travel time. The 21.8-km Mumbai Trans Harbour Link, officially named AtalBihari Vajpayee Sewri-NhavaShevaAtalSetu, will launch today around 3:30 pm.

The six-lane bridge has a 16.5 km stretch over the sea and about 5.5 km on land. The conceptualisation of this bridge was made six decades ago with the aim of connecting Mumbai's Sewri to Raigad'sChirle.

Travel time to cut short below 20 minutes

1. Building the AtalSetu aims to improve connectivity in the Mumbai Metropolitan Region – Mumbai, Thane, Palghar and Raigad.

2. According to the Mumbai Metropolitan Region Development Authority (MMRDA), the travel time between Sewri and Chirle will now be reduced from 61 minutes to less than 20 minutes.

3. It will provide faster connectivity to Mumbai International Airport and Navi Mumbai International Airport and reduce travel time from Mumbai to Pune, Goa and South India. It will also improve connectivity between Mumbai Port and Jawaharlal Nehru Port.

4. Travellers will be charged ¹ 250 for a one-way toll for the bridge. The charges for the return journey and frequent commuters will vary.

5. The toll charge may be revised after a year following a review.

6. The maximum speed limit for four-wheelers has been kept at 100 km/hour. Two-wheelers, tractors and autorickshaws would not be allowed on the bridge.

PM Modi changed India's destiny: Yogi

Addressing a Viksit Bharat Sankalp Yatraprogramme in Sanjhai, CM Yogi underlined the achievements of the double engine government and lambasted previous governments for patronizing anti-social elements and ignoring sufferings of the common people.

Gorakhpur Prime Minister NarendraModi had changed India's destiny and respect for the country had increased under his leadership, Uttar Pradesh chief minister Yogi Adityanath said on Saturday. Adityanath said global-level infrastructure, highways, railways, airports were being built in the country. World-class medical institutions such as AIIMS and fertiliser factories were being constructed. For

the convenience of the public, work was being done to connect every village with schemes for roads and drinking water, among others, he said. Yogi laid foundation stone and inaugurated various projects and addressed the gathering in newly created Sanjahai and Surajkund wards.

Addressing a Viksit Bharat SankalpYatraprogramme in Sanjhai, CM Yogi underlined the achievements of the double engine government and lambasted previous governments for patronizing anti-social elements and ignoring sufferings of the common people. He recalled that before 2014 people were struggling for toilets, houses and drinking water facility along with ration but since the double engine government came to power, benefits of welfare schemes were reaching each citizen without any discrimination. He said ration mafia were active under previous governments and poor used to die due to lack of treatment but under BJP government Ayushman Bharat scheme and free ration scheme had eased their life . Approximately 12 crore people in the country and three crore in UP were enjoying toilet facilities and 55 lakh people had got pucca houses in the state under PM housing schemes, the CM added . The chief minister claimed that welfare schemes of the BJP government were changing the status of the common people and development process would be saturated by 2047 when the country would celebrate centenary of freedom . Coming down heavily onprevious governments, Yogi claimed that his government was freeing land from illegal occupation of land mafia while previous governments were hand in glove with them. He said the sense of security and development depended upon the intention of governments. "Previous governments had sn understanding with criminals and mafia but my government cracked down on criminals," he said.

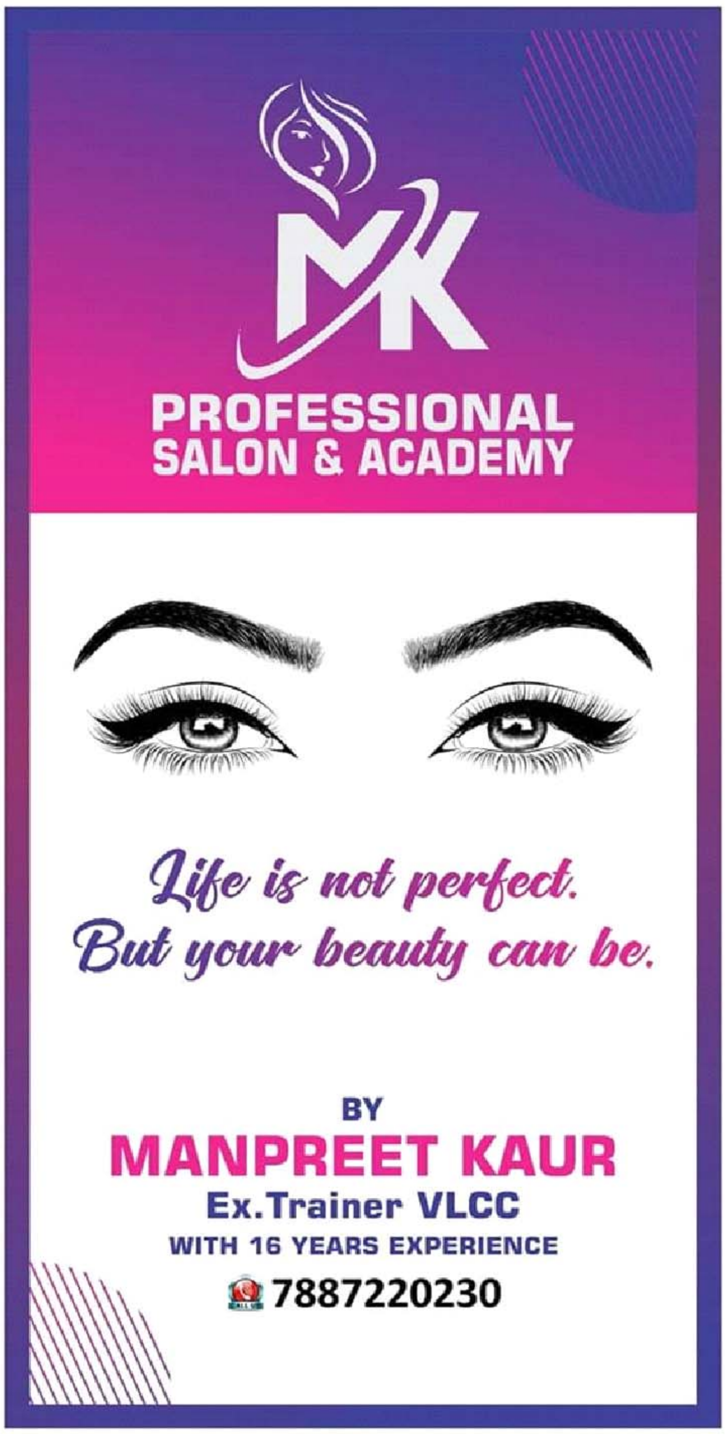

MakarSankrantiMela: Gorakhnath temple decks up, rly to run spls, electric buses to ferry devotees

For the event, the district administration and the police have heightened security arrangements in and around the temple

The month-long MakarSankrantiMela will commence from January 15 at the Gorakhnath temple and the temple premises has been decked up for devotees who will offer Khichdi at Guru Gorakhnath temple.

For the event, the district administration and the police have heightened security arrangements in and around the temple. SP City KK Bishnoi confirmed that the entire Gorakhnath temple premises and adjoining areas had been divided into four zones and 25 sectors. Anti-terrorist squads along with police personnel and PAC jawans have also been placed at strategic points.

He said that a temporary police station has been set up within the temple premises apart from seven police posts in adjoining areas of the temple. A watch tower has also started functioning, and CCTV cameras have been installed in the entire area, besides deploying 3,115 cops for devotees' assistance.

The SP City said that focus had been laid on crowd management and the venues for the parking of vehicles in different parts have been marked.

Meanwhile, the NE Railway administration has decided to run special trains for MakarSankranti as devotees from Nepal, UP and Bihar reach here. Pankaj Kumar Singh, chief public relations officer, NE Railway, said that two special trains, one from Nautanwa and the other from Badhni, had been started and the Railway Protection Force jawans have been deployed at Nakaha Jungle station for the safety of passengers and protection of railway properties. Apart from railway, roadways buses are ready to carry devotees. Regional manager of roadways Luv Kumar Singh confirmed that 30 electric buses will originate from 30 stops of the district for the assistance of devotees.

Karnataka Ministers in Delhi as Congress convenes meet to discuss strategies for LS elections

The key focus this time is to identify the right candidates, and find ways to counter the Rama temple issue, a senior Congress leader said.Karnataka Ministers on Thursday headed to New Delhi to attend a meeting convened by the central leadership of the Congress to discuss strategies for the upcoming LokSabha elections in the State. Ministers K N Rajanna, K J George, B Z Zameer Ahmed Khan, G Parameshwara, LaxmiHebbalkar, N S Boseraju and R B Thimmapur are among those who flew to the national capital in the morning, Congress sources said. "The information we have is that 29 ministers have been summoned to Delhi to discuss strategies," a senior Congress leader told PTI.

According to him, the key focus this time is to identify the right candidates, and find ways to counter the Rama temple issue so that it does not adversely affect the party's poll prospects in Karnataka.

"The ministers will be asked to publicise the five guarantees (pre-poll promises of the party) and various other welfare schemes of the state government. Our key strength in the LokSabha election is our five guarantees, which no other state has implemented," the Congress leader claimed.

While Rama temple may come up for discussion, the Congress leader said the party is not unduly worried about it. "We are not very much thinking about the Ram Temple issue because the Hindu community itself is divided with four Shankaracharyas reportedly not attending the consecration ceremony at Ayodhya on January 22," a Congress source said.

मनोरंजन

आइरा खान से शादी करने वेडिंग वेन्यू तक दौड़ते हुए क्यों गए थे नूपुर शिखरे, बताई इमोशनल वजह

नूपुर शिखरे ने बताया कि वह आइरा से शादी के लिए वेडिंग वेन्यू तक दौड़ते हुए क्यों गए थे। नूपुर ने शर्ट्स–बनियान में निकाह किया, उसने सबके होश उड़ा दिए। नूपुर शिखरे काले रंग की बनियान और

आइरा से 3 जनवरी को रजिस्टर्ड मैरिज की थी और बनियान–शर्ट्स में नजर आए थे। नूपुर और आइरा ने फिर उदयपुर में शादी की और एयरपोर्ट पर पति–पत्नी की तरह पोज दिए।

आमिर खान की बेटी आइरा की शादी एकदम अनूठी रही, जिसके कारण खूब चर्चा भी हुई। इसकी वजह थे आमिर खान के दामाद और आइरा के दूल्हे राजा नूपुर शिखरे। आइरा ने 3 जनवरी को नूपुर शिखरे के साथ रजिस्टर्ड मैरिज की थी। उस दिन नूपुर बनियान और शर्ट्स पहनकर जगिंग और रनिंग करते हुए वेडिंग वेन्यू तक गए थे। यह देख हर कोई हैरान था और जानना चाह रहा था कि नूपुर भला भागते हुए शादी करने क्यों पहुंचे?

नूपुर शिखरेने अपनी शादी वाले दिन वेडिंग वेन्यू तक 8 किलोमीटर का सफर तय किया था। वह इतनी दूरी तरह जगिंग करते हुए ही गए। नूपुर पसीने से तर थे और ढोल–नगाड़ों पर नाचते, रनिंग करते आइरा खान से शादी करने पहुंचे थे। नूपुर ने ऐसा क्यों किया था, उन्होंने अब इसकी वजह बताई है।

दौड़ती बारात, ढोल की थाप पर मां संग डांस, इन 16 तस्ध्वीरों में देखघ्एि आइरा खान और नूपुर शघ्खिरे की अनूठी शादी

पिछले काफी दिनों से आमिर खान की बेटी आइरा खान की शादी की चर्चा चल रही थी। आमिर भी लाडली के हाथ पीले करने के लिए जोर–शोर से तैयारियों में बिजी थे। 3 जनवरी को आइरा ने बयफ्रेंड नूपुर शिखरे संग शादी रजिस्टर करवा ली। लेकिन इस रजिस्टर्ड शादी में दूल्हे राजा नूपुर शिखरे को देख हर कोई हैरान रह गया। वह जिस तरह 8 किलोमीटर की मैराथन रेस दौड़ते हुए वेडिंग वेन्यू पहुंचे और फिर शर्ट्स में शादी के लिए पहुंचे थे। साथ में बारात भी दौड़ती हुई गई।

यहां देखिए आइरा खान और नूपुर शिखरे की अनोखी शादी की 16 अनदेखी तस्वीरें और यादगार पलरू

नूपुर शिखरे ने बताई भावुक कर देने वाली वजहमालूम हो कि नूपुर शिखरे, आइरा संग रजिस्टर्ड मैरिज के लिए मुंबई के सांता क्रूज से दौड़ते हुए बांद्रा स्थित वेडिंग वेन्यू पहुंचे थे। बारात भी इसी तरह पहुंची थी। न कोई घोड़ी और ना ही बैंड बाजा। नूपुर ने अब बताया है कि ऐसा क्यों किया। वेडिंग प्लानर ने आइरा और नूपुर की शादी का वीडियो रिलीज किया है। इसमें नूपुर ने बताया कि वह अपने घर से आइरा के घर तक दौड़कर जाते थे। जिस रास्ते से वह दौड़ते हुए वेडिंग वेन्यू तक गए, उससे उनका बहुत गहरा और इमोशनल रिश्ता है।

ऐश्वर्या ने जो इज्जत दी उसे देख रो पड़ी थीं ट्रांसवुमन सायशा शिंदे, बोलीं– उन्होंने बेटी आराध्या को भी सिखाया

स्वप्निल शिंदे से ट्रांसवुमन बनीं सायशा शिंदे ने बताया कि ऐश्वर्या ने उन्हें इज्जत और सम्मान दिया। सायशा ने बताया कि जब वह स्वप्निल शिंदे थे तो ऐश्वर्या राय ने उन्हें सायशा कहकर बुलाती थीं और बेटी आराध्या को भी उन्हें सायशा कहकर ही मिलवाया और वैसा ही सिखाया था।

कंगना रनौत के रियलिटी शो में नजर आए स्घ्वप्निल शघ्दिे यानी सायशा शिंदे एक मशहूर फैशन डिजाइनर हैं। कुछ साल पहले ही वह सेक्स चेंज करवाकर महिला से पुरुष बन गए थे, और खुद के ट्रांसवुमन होने की घोषणा की थी।

इस वक्त वह अपने एक इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन की तारीफ की है। ऐश्वर्या ने सायशा शिंदे के प्रति जैसा रवैया दिखाया और जिस तरह से वह उनके साथ पेश आईं, उससे सायशा शिंदे इमोशनल हो गईं। सायशा शिंदेने बतौर फैशन डिजाइनर कई फिल्मों में काम भी किया और अलग पहचान बनाई। कुछ साल पहले वह तब चर्चा में आ गई थीं, जब खुद के ट्रांसवुमन होने का खुलासा किया था और स्वपनिल से सायशा बन गईं। उन्होंने हाल ही टिस्का चोपड़ा के साथ उनके यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए उस वक्त का किस्सा बताया, जब दुनिया उनके ट्रांसवुमन वाले सच से अनजान थी। लेकिन तब ऐश्वर्या राय बच्चनने उनके ट्रांजिशन की इज्जत की और उन्हें सम्मान दिया था। सायशा शिंदे ने बताया, श्यह बात तब अखबारों में नहीं आई थी। इंडस्ट्री में केवल मेरे करीबी दोस्त ही इसके बारे में जानते थे और मेरी ऐश्वर्या से दोस्ती थी। इसलिए मैंने ऐश्वर्या के मैनेजर से कहा कि रेडी रहो। यह स्वप्निल नहीं है, जो आने वाला है। यह सायशा है, जो आने वाली है। इस बात का ध्यान रखना कि मैम और बाकी लोगों को इससे झटका न लगे। सब ठीक रहें। सायशा शिंदे ने बताया कि ऐश्वर्या राय के मैनेजर ने इस बात का ध्यान रखा कि सबको पता चल जाए कि वह सायशा शिंदे हैं और स्वप्निल नहीं। उन्होंने बताया, श्जब मैं फिटिंग के लिए गई, तो ऐश्वर्या ने इसका ख्याल रखा कि वह मुझे हर समय सायशा कहें। वह हर बार मुझे उसी नाम से बुलातीं। उन्होंने मुझे इज्जत दी। अंदर जब ऐश्वर्या की बेटी आराध्या आई, तो उन्होंने मुझे सायशा कहकर ही उनसे मिलवाया। सायशा ने आगे बताया कि वह यह देखकर भावुक हो गई थीं कि ऐश्वर्या ने स्वप्निल को सायशा के तौर पर सम्मान और प्यार दिया। सायशा उस पल को कभी भूल नहीं पाईं, और आज भी उस वक्त को याद करती हैं। वैसे सायशा की हिम्मत की दाद देनी होगी कि उन्होंने समाज की परवाह किए बिना अपने दिल की सुनी और खुद को ट्रांसवुमन कबूल किया, और सेक्स चेंज करवाया। आज वह अपनी जिंदगी में काफी खुश हैं।

1990 में आई फिल्म आशिकी से अनु अग्रवाल ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

1990 में आई फिल्म आशिकी से अनु अग्रवाल ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के बाद वह रातोरात स्टार बन गई थी। उनका यह स्टारडम लेकिन ज्यादा दिनों तक नहीं चला। इसकी बड़ी वजह रही थी साल 1999 में उनके साथ हुआ एक्सीडेंट। इस एक्सीडेंट के बाद अनु अग्रवाल की पूरी जिंदगी

बदल गई क्योंकि कई महीनो तक वह कोमा में रही। हालांकि उन्होंने फिल्मों में वापसी करने का भरसक प्रयास किया लेकिन उन्हें सिर्फ नाकामी हाथ लगी। वर्तमान मंन उनकी कुछ नई तस्वीर सामने आई है जिसमें सिर्फ 54 वर्ष की उम्र में ही वह काफी बूढ़ी नजर आ रही है जिसे देखकर उनके चाहने वाले भी उन्हें पहचान पाने में नाकाम हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर अब यह अभिनेत्री खूब एक्टिव रहती है लेकिन फिल्मी पर्दे से वह पूरी तरह से गुमनाम हो चुकी है।

धनुष की कैप्टन मिलर हिट या फ्लॉप! फर्स्ट शो से ही ट्विटर पर सैलाब, एंट्री सीन पर बज रही सीटी

धनुष की फिल्म श्कैप्टन मिलरश 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और इसे दर्शकों और फैंस से बहुत प्यार मिल रहा है। फिल्म का पहला रिव्यू ट्विटर पर शानदार तरीके से देखने को मिला। फैंस इसकी कहानी और धनुष के रोल को सराह रहे हैं। आइए दिखाते हैं किसने क्या कहा।

धनुष की इस साल की सबसे बड़ी फिल्म श्कैप्टन मिलरश को दर्शकों और आलोचकों दोनों से प्यार मिल रहा है। श्रकीश फेम अरुण मथेश्वरन के साथ

पीरियड एक्शन फिल्म 2024 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक रही। श्कैप्टन मिलरश में धनुष के अलावा, शिव राजकुमार, प्रियंक मोहन, सुदीप किशन, विनोथ किशन, नासर और कई कलाकार हैं। श्कैप्टन मिलरश का पहला रिन्यू सामने आ गया है और इसे सोशल मीडिया पर पजिटिव रिस्पन्स मिल रहा है। जहां फिल्म में धनुष के एंट्री सीन से दर्शक बेहद खुश हैं, वहीं बेहतरीन कहानी और इंटरवल सीक्वेंस धनुष की फिल्म का सबसे बड़ा पार्ट बताया जा रहा है। फिल्म श्कैप्टन मिलरश 1930 के दशक पर आधारित है, और यह उसी नाम के विद्रोही नेता के इर्द–गिर्द घूमती है, जो तब अजीब सी सिचुएशन में आने के लिए मजबूर होता है जब चीजें उसके खिलाफ हो जाती हैं। तमिल फिल्म श्कैप्टन मिलरश को सत्य ज्योति फिल्म्स ने बनाया है, जिसमें जीवी प्रकाश कुमार का म्यूजिक है।

हादसे में गंवाए हाथों का गम भूल गर्दन से उड़ाते हैं छक्के-चौके, पैर से बॉलिंग

हाथ के बिना कोई क्रिकेट खेलने के बारे में सोच भी नहीं सकता। क्योंकि बैटिंग और ब लिंग दोनों हाथ से ही होती है। लेकिन आमिर हुसैन लोन के साथ ऐसा नहीं है। दोनों हाथ नहीं होने के बाद भी वह छक्के–चौके मारते हैं, गेंदबाजी में विकेट भी लेते हैं। क्या कोई हाथ के बिना क्रिकेट खेलने का सोच भी सकता है? किसी से यह सवाल पूछे तो जवाब ना ही होगा। लेकिन कहा जाता है ना कि मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है। यह लाइन जम्मू कश्मीर के आमिर हुसैन लोन पर पूरी तरह फिट बैठती है। उन्होंने दिखा दिया है कि हाथ नहीं होने के बाद भी क्रिकेट खेला जा सकता है, बस हौसला होना चाहिए। वह बैटिंग करने के साथ ब लिंग भी करते हैं। आठ साल की छोटी सी उम्र में अपने दोनों हाथ खोने के बाद भी आमिर ने हार नहीं मानी। आज वह जम्मू–कश्मीर पैरा क्रिकेट टीम के कप्तान हैं।

आरा मिल में दुर्घटना के कारण आठ साल की उम्र में आमिर हुसैन लोन के दोनों हाथ बेकार हो गए। इसके बाद तीन साल तक वह ठीक होने के लिए अस्पताल में संघर्ष करते रहे। हादसे के बाद लोगों ने उनके पिता से कहा कि आमिर उनपर बोझ बन जाएगा। लेकिन आमिर ने लड़ने का फैसला किया। उनके टीचर ने उनकी क्रिकेट प्रतिभा की खोज की और उन्हें पैरा क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया। आमिर 2013 से पेशेवर रूप से क्रिकेट खेल रहे हैं।

34 साल के दिव्यांग क्रिकेटर आमिर हुसैन लोन बिजबेहरा के वाघामा गांव के रहने वाले हैं। वह पैर की उंगलियों में फंसाकर उसी से ब लिंग करते हैं। वहीं बैटिंग करने के लिए वह बैट को कंधे और गले के बीच में फंसाते हैं। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह नेट्स पर बैटिंग और ब लिंग कर रहे हैं। वह आसानी से बैटिंग और ब लिंग कर लेते हैं। गेंद उनके बल्ले के बीच में आकर लग रही थी और श ट भी खेल रहे थे।

विक्की कौशल करना चाहते हैं बायोपिक

ब लीवुड के अभिनेता विक्की कौशल आमिर हुसैन की बायोपिक करने की इच्छा जता चुके हैं। सैम बहादुर के प्रमोशन के दौरान एक टीवी शो मों विक्की की मुलाकात आमिर से हुई थी। तब उन्होंने कहा था– आमिर ने मेरी सबसे बड़ी समस्या हल कर दी क्योंकि आजकल इंटरव्यू के दौरान कई लोग मुझसे पूछते हैं कि अगर मुझे कभी किसी भारतीय क्रिकेटर की बायोपिक करने का मौका मिले तो वह कौन होगा, आज मुझे अपना जवाब मिल गया है।

आपको समझना होगारन आउट के बाद खो दिया था आपा, अपने गुस्से पर क्या बोले रोहित शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में रन आउट हो गए। रोहित का खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद वह साथी बल्लेबाज शुभमन गिल पर काफी नाराज हो गए थे। भारत को जीत मिलने के बाद रोहित शर्मा से इसपर सवाल किया गया।

भारत ने शिवम दुबे की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से पहले टी20 मुकाबले में अफगानिस्तान पर छह विकेट की आसान जीत से तीन मैच की सीरीज में 1–0 से बढ़त बनायी। एक समय टीम इंडिया मुकाबले में मुश्किल में दिख रही थी। पारी के पहले ही ओवर में शुभमन गिल के साथ तालमेल बिगड़ने की वजह से कप्तान रोहित शर्मा रन आउट हो गए। इसके बाद वह काफी गुस्से में भी गए थे और गिल पर चिल्लाते हुए पवेलियन लौट गए। 14 महीने बाद इस फ र्मेट में वापसी कर रहे रोहित का खाता भी नहीं खुला।

कप्तान रोहित ने क्या कहा?

मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से इस रन आउट और गुस्से के बारे में सवाल किया गया। इसपर रोहित ने कहा, श्ये चीजें होती हैं। जब ऐसा होता है तो आप निराश महसूस करते हैं, आप क्रीज पर रहना चाहते हैं और टीम के लिए रन बनाना चाहते हैं। सब कुछ आपके अनुसार

नहीं होगा और यह आपको समझना होगा। हमने गेम जीत लिया, ये ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैं चाहता था कि गिल वहां से बड़ी पारी खेले लेकिन दुर्भाग्य से अच्छी छोटी पारी खेलने के बाद आउट हो गए।श

कप्तान ने सभी को सराहा

रोहित शर्मा ने शिवम दुबे की तारीफ की। इसके साथ ही जितेश शर्मा की तेज पारी को भी सराहा। उन्होंने कहा– बहुत सारी सकारात्मकताएं रहीं। शिवम दुबे, जितेश ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, तिलक ने भी और फिर रिंकू भी अच्छी फ र्म में हैं। हम अलग–अलग चीजें आजमाते रहना चाहते हैं। अपने गेंदबाजों को खेल की विभिन्न परिस्थितियों में गेंदबाजी करने का प्रयास करें, जैसा कि आपने आज देखा, वाशी ने 19वां ओवर फेंका।

अनुभवी मोहम्मद नबी और युवा अजमतुल्लाह ओमरजई के बीच 43 गेंद में 68 रन की साझेदारी से अफगानिस्तान ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पांच विकेट पर 158 रन बनाए। यह लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था और भारत ने 17.3 ओवर में चार विकेट पर 159 रन बनाकर जीत हासिल की। दुबे के बल्ले से नाबाद 60 रन निकले।

सबकी वापसी होगी लेकिन लगता है जैसे पृथ्वी शॉ घरेलू मैचों में चाहे दोहरा शतक ही न ठोंक रखे हों लेकिन उनकी वापसी नही हो सकती है।

सबकी वापसी होगी लेकिन लगता है जैसे पृथ्वी शॉ घरेलू मैचों में चाहे

दोहरा शतक ही न ठोंक रखे हों लेकिन उनकी वापसी नही हो सकती है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20आई सिरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हुई है और इस टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हुई है। उम्मीद यह भी लगाई जा रही थी कि इस सिरीज में पृथ्वी शॉ की वापसी हो सकती है लेकिन ऐसा हुआ नही।

पृथ्वी शॉ एक अक्रामक ओपनिंग बल्लेबाज हैं और वह भारत के लिए अभी तक 5 टेस्ट मैच और 6 वनडे तथा 1 टी20आई मैच खेल चुके हैं। टेस्ट मैचों में उनके नाम एक शतक भी है। पृथ्वी शा ओपनिंग करते हैं और उनकी बल्लेबाजी शैली कुछ कुछ वीरेंद्र सहवाग से मिलती जुलती है।

दरअसल पृथ्वी शा टेस्ट मैचों में जब आफ साइड में ड्राइव करने जा रहे थे तब उनके बल्ले और पैड के बीच खाली स्थान बन रहा था और उसी गैप की वजह से उनको गेंदबाजों न कई बार क्लीन बोल्ड भी किया था। अपनी इस कमजोरी को उन्होने अब दूर भी कर लिया है और इंग्लैंड में एक घरेलू वनडे मैच में दोहरा शतक और फिर अगले मैच में शतक भी ठोंककर साबित किया था कि वह अपनी कमजोरी को सही कर चुके हैं। बावजूद इसके भी पृथ्वी शॉ को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20आई सिरीज में मौका नही दिया गया है।

यार, अंपायर ने मना कर दिया... अक्षर पटेल ने अजब-गजब मांग पर किया बड़ा खुलासा

भारत और अफगानिस्तान के बीच मोहाली में पहला टी–20 इंटरनेशनल मैच खेला गया। इस मैच के दौरान हुई एक घटना के बारे में अक्षर पटेल ने बताया। उन्होंने कहा कि मैच में बॉल महसूस नहीं हो रही थी। ठंड से बचने के लिए अंपायर से एक रिक्वेस्ट की, जिससे उन्होंने मना कर दिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में अक्षर पटेल गेंद से सबसे सफल रहे। उन्होंने कातिलाना गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि शिवम दुबे ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए अफगानिस्तान को 158६5 पर रोक दिया। अक्षर ने रहमानुल्लाह गुरबाज और रहमत शाह के शिकार किए और भारत ने 4 विकेट खोकर 159 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। दुबे ने 40 गेंदों में नाबाद 60 रन ठोके।

मैच के दौरान मोहाली में तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया था। इस वजह से खिलाड़ियों को काफी परेशानी हुई। खिलाड़ी किसी तरह खुद को ठंड से बचाते नजर आए। अपने शानदार स्पैल के बावजूद अक्षर ने स्वीकार किया कि सर्द मौसम ने उनके काम को थोड़ा मुश्किल बना दिया है। उन्होंने कहा– मैं गेंद को महसूस नहीं कर रहा था। बहुत ठंडी थी। हम जानते थे कि यह सर्दी थी और ठंड होगी, लेकिन मैं केवल अपनी गेंदबाजी के बारे में सोच रहा था कि उन पर दबाव कैसे डाला जाए। बहुत अधिक ओस थी, लेकिन मैंने गेंदबाजी पर ध्यान केंद्रित किया।

अक्षर ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अंपायर से पूछा था कि क्या वह अपनी न न–ब लिंग बांह पर दस्ताना पहन सकते हैं, जिस पर अंपायर ने उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने हंसते हुए बताया– मैंने अंपायर से पूछा था कि क्या मैं एक हाथ में दस्ताने (एक हाथ में दस्ताना पहनकर ब लिंग) पहन सकता हूं, लेकिन उन्होंने कहा मना कर दिया।

इस बीच भारत के विराट कोहली व्यक्तिगत कारणों के कारण मैच में नहीं खेल सके। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के स्पिन किंग राशिद खान पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण श्रृंखला से बाहर हैं। कोहली ने एक साल से अधिक समय से कोई टी20 मैच नहीं खेला है। रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले दूसरे मैच के लिए उनके टीम में लौटने की उम्मीद है।

PKL में कड़ी टक्कर, यू मुंबा को हरियाणा स्टीलर्स ने बराबरी पर रोका

प्रो कबड्डी लीग के मौजूदा सीजन ने उस वक्त छठा टाई देखा, जब यू मुंबा और हरियाणा स्टीलर्स के बीच कड़ा मुकाबला बराबरी पर खत्म हुआ। यू मुंबा 11 मैच में छह जीत के साथ 35 प इंट लेकर पांचवें नंबर पर है तो हरियाणा स्टीलर्स की टीम इतने ही मैच में 34 अंक के साथ ठीक एक स्थान नीचे यानी सातवें पोजिशन पर खड़ी है।

माता–पिता के खाने में नींद की गोलियां मिलाकर सुला देती थी, फिर बॉयफ्रेंड को घर बुलाती थी, ऐसे फूटा भांडा

गोरखपुर। गोरखपुर में एक किशोरी ने ब यफ्रेंड को घर पर बुलाने का अनोखा तरीका खोज निकाला था। वह खाने में नींद की गोलियां मिलाकर मां–बाप को खिला देती थी। जब वे सो जाते थे तो दोनों आपस में मिलते थे।

गोरखपुर (ळवतांीचनत ब्पपउम) के तिवारीपुर थाना क्षेत्र में एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किशोरी अपने मां–बाप के साथ धोखा करते हुए पिछले 3 माह से उन्हें खाने के साथ नींद की गोलियां दे रही थी। वह ऐसा इसलिए कर रही थी ताकि सभी लोग चौन की नींद सो जाएं और किशोरी अपने ब यफ्रेंड को घर में बुला सके। लेकिन बुधवार की रात जब उसने ऐसा ही किया तो परिजनों को शक हुआ और उन्होंने मौके पर उसके ब यफ्रेंड को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी और युवक को पुलिस के हवाले कर दिया है।

मामला तिवारीपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक दसवीं की छात्रा एक किशोरी का एक युवक से प्रेम प्रसंग था। पिछले तीन महीनों से किशोरी अपने माता–पिता को खाने में नींद की गोलियां देकर सुला देती थी और युवक को रात में अपने घर बुला लेती थी। मोहल्ले वालों को शक हुआ तो इसकी जानकारी किशोरी के माता–पिता को दी गई। पूर्व प्लानिंग के मुताबिक एक बार फिर से किशोरी ने बुधवार को अपने ब यफ्रेंड को बुलाया और उसके पहले अपने माता–पिता को खाने में मिलाकर नींद की गोलियां दे दी। लेकिन इस बार वे सतर्क थे और उन्होंने बेटी के परोसे गए खाने को नहीं खाया और युवक के आने का इंतजार करने लगे। जैसे ही आध ी रात के बाद वह घर पहुंचा तो परिजनों ने उसे धर दबोचा और उसकी जमकर पिटाई कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग भी इकट्ठे हो गए। युवक के अभिभावकों को भी जानकारी दी गई, वे भी सूचना पाकर मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। मोहल्ले वालों ने दोनों पक्षों को शांत कराया और पुलिस को इसकी सूचना दी। लड़की के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तिवारीपुर थाना प्रभारी का कहना है कि सूचना मिलने पर हम लोग मौके पर पहुंचे थे। पूछताछ में जानकारी मिली है कि पिछले 3 महीनों से यह सिलसिला चल रहा था। प्लानिंग के मुताबिक कई बार किशोरी अपने माता–पिता को नींद की गोलियां देकर सुलाने के बाद युवक को घर बुला लेती थी। बुधवार को भी ऐसा ही हुआ लेकिन माता–पिता को इस बात का शक हो गया था। उन लोगों ने गोली नहीं खाई और कंबल ओढ़ कर चुपचाप लेटे रहे। मौका मिलते ही जैसे ही युवक वहां पहुंचा मोहल्ले वालों के सहयोग से उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

कुर्ता सिलवा लिया है और मैं जरूर जाऊंगा, राम मंदिर उद्घाटन निमंत्रण पत्र मिलने पर गदगद राजभर

गोरखपुर। भारतीय सुहेदेव समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर आज गोरखपुर में थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझे श्री राम प्रभु के के मंदिर उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिल चुका है। इसके लिए मैं कुर्ता भी सिलवा लिया है और मैं वहां जरूर जाऊंगा।

एनडीए के मुख्य साझेदारी भारतीय सुहेदेव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर आज गोरखपुर में थे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मुझे राम मंदिर उद्घाटन समारोह का निमंत्रण मिल चुका है और उन्होंने कुर्ता भी सिलवा लिया है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह पंजाब और दिल्ली में बिजली मुक्त है। इस तरह पूरे भारतवर्ष में आम लोगों के लिए बिजली मुक्त होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज गोरखपुर में थे, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर भी गोरखपुर में थे।इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि जिस तरह पूरे भारतवर्ष में गरीब कल्याण योजनाएं चल रही है। लोगों को उसका लाभ भी मिल रहा है। इसी तरह देश में बेरोजगारी बहुत है, ऐसे में युवाओं को रोजगार भी मिलना चाहिए।

श्कुर्ता भी सिलवा लिया है, मैं जा रहा हूंश

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में नए मंत्रिमंडल का विस्तार होता है तो मुझे भी निश्चित रूप से स्थान मिलना चाहिए। अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुझे तो निमंत्रण मिल चुका है और मैंने कुर्ता भी सिलवा लिया है, इसलिए मैं तो उद्घाटन समारोह में जरूर जाऊंगा और मेरा मानना है कि सभी को वहां जाना चाहिए।

राजभर ने कहा किप्राथमिक शिक्षा के दौरान बच्चों को रोजगार परक व्यवसाय की पढ़ाई भी पढ़ाई जाने चाहिए जिससे वह आगे चलकर पढ़ाई के साथ–साथ किसी एक रोजगार में पारंगत भी हो सके और आने वाले वक्त में उन्हें बेरोजगार ना होना पड़े। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली और पंजाब की तरह पूरे देश में बिजली मुफ्त कर देनी चाहिए।

एक बार फिर से मोदी सरकार–राजभर

2024 चुनाव को लेकर राजभर ने कहा कि हम इंडिया के साथ गठबंधन में हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा और आशा और विश्वास है कि एक बार फिर से मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। राजभर आज गोरखपुर के कुसम्ही पहुंचे थे। जहां पार्टी के सचिव जितेंद्र सिंह के एक निजी कार्यक्रम में शिरकत की और पार्टी की रणनीति पर कार्यकर्ताओं से बातचीत भी की।

राम मंदिर का न्योता ठुकराने पर कांग्रेस में घमासान, एक और नेता ने कहा, आलाकमान का फैसला निराशाजनक है

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की धण धतिष्ठा समारोह में कांग्रेस शामिल नहीं होगीं लेकिन, राम मंदिर का

न्योता ठुकराने पर अब कांग्रेस में ही घमासान मचा हुआ हैं सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने इस आयोजन में शामिल न होने का फैसला किया हैं कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को यह फैसले पार्टी के अंदर ही कलह का वजह बन गया हैं कई कांग्रेस नेताओं ने टिप्पणी करते हुए कांग्रेस आलाकमान के फैसले पर आपनि जताई हैं गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अंबरीश डेरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मर्यादा पुरुषोनम भगवान श्री राम हमारे आराध्य देव हैं इसलिए यह स्वाभाविक है कि भारत भर में अनगिनत लोगों की आस्था इस नवनिर्मित मंदिर से वर्षों से जुड़ी हुई हैं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद –गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक
शक्ति शंकर

मो0 :– (.91) 7233999001